an>

Title: Need to undertake measures for ground water recharge and rainwater harvesting in the country to address the problem of water scarcity in various parts of the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) ः देश की करीब एक तिहाई आबादी आज पीने के पानी की विकट समस्या से जूझ रही है। करीब 12-13 राज्यों में पीने के पानी का संकट इतना गहरा गया है कि नलकूप से पानी ही नहीं निकलता है। कँए एवं तालाब सूख गए हैं। नदी का पानी प्रदूषित है। अब लोग जाएं तो जाएं कहां। कहीं भी पानी उपलब्ध नहीं है। कहीं-कहीं सुबह-सुबह थोड़ा बहुत पानी नलकूपों या कँओं से भरकर स्टॉक करते हैं और पूरे दिन उसी से काम चला रहे हैं। यही हालात कमोवेश अन्य सूखाग्रस्त राज्यों का भी है। लोग कोसों-कोस दूर पानी की तलाश में भटकने पर मजबूर हैं। महाराष्ट्र के करीब 6-7 जिलों में पानी का हाहाकार मचा हुआ है। हरियाणा का भी यही हाल है। दिल्ली के पास तो अपना पानी ही नहीं है। राजस्थान सूखा हुआ है। आंध्रप्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश के समक्ष भी पानी का भारी संकट उत्पन्न हो चुका है। देश के लोग आज प्यासे हैं और उन्हें पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अब प्रश्न यह उठता है कि इस विकट समस्या का हल कैसे निकाला जाये। पहली बात तो वर्षा का अनुपात से कम होना और दूसरा वर्षा के जल को संग्रह नहीं करना। वर्षा का पानी बर्बाद होकर नदियों के माध्यम से समुद्र में मिल जाता है। इस कारण भू-जल की कमी हो गयी है। रिजर्वेर नहीं बनते हैं। देश में ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज हेतु झीलों, तालाबों, पोखरों, कँओं, बावड़ियों आदि पर असामाजिक तत्वें द्वारा कब्जा कर उनका नामों-निशान मिटा दिया गया है जिसके कारण जल स्तर आज शून्य पर आ गया है तो पानी फिर मिलेगा कैसे? यह एक गंभीर चुनौती सरकार के समक्ष है। सरकार को चाहिए कि वर्षा के जल संचयन का उचित प्रबंधन करे। सूखाग्रस्त सभी क्षेत्रों में डीप-बोरिंग और नलकूपों को लगाकर वहां पीने का पानी उपलब्ध करायें। साथ ही, वर्षा से पूर्व समय रहते जलाशयों का निर्माण तीव्र गति से करकर पानी के संग्रह का उपाय करें, जिससे भू-जल उपलब्ध हो सके और लोगों को पानी उपलब्ध होता रहे। इन जलाशयों के बनने से पशुओं एवं जानवरों को भी पानी मिल सकेगा। एक और विषय पर सरकार विचार कर सकती है, वह यह है कि इजरायल के पास समुद्री जल को पीने लायक बनाने की तकनीक उपलब्ध है। उससे सहयोग लेकर अपने देश में भी समुद्री जल को पीने योग्य बनाकर लोगों की प्यास बुझायी जा सकती है।